

NEERAJ MANDLOI

Neeraj Mandloi

प्रश्नोत्तर पुस्तिका बारकोड (OR) Page No. - 05

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 20 अतिव्युत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में लिखें। प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

09/02/2021

3x20=60

पूर्./म = 03

 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.1)

भाषा और बोली में क्या अंतर है?

उत्तर:

परभारि: - अर्थात् वाक्य का अर्थ है कर्ता व क्रिया में परस्पर संबंध बताना।

विभक्ति:-

पूर्./म = 03

 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.2)

पर्यायवाची शब्द 3 प्रकार के होते हैं।

उत्तर:

1. पूर्ण (जिनका अर्थ समय या स्थिति से परिवर्तित नहीं होता उदा० कमल - पंकज, जलज आदि)
2. पूर्णापूर्ण (स्थिति के अनुसार परिवर्तित उदा० लटकाना - टाँगना)
3. अपूर्ण (पर्यायवाची होने पर भी अलग-अर्थ देते हैं।)

पूर्./म = 03

 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.3)

उत्तर:

वे पत्र जो कार्यालयी प्रयोजनों से, निश्चित ढाँचे में एक कार्यालय से अन्य कार्यालय या पद को विनियमित होते हैं, औपचारिक पत्र कहलाते हैं।

महत्व: वैधिक दस्तावेज, कार्यावाही के आधार विशेषता: अनप्रति

प्रश्न: (1.4)

औली

पूर्./म = 03

 प्राप्तांक

उत्तर:

करण:- कारक 'से' का प्रयोग क्रिया का संबंध बताता है। उदा० मैं पेन से लिखता हूँ।

अपादान:- कारक 'से' का प्रयोग पृथक्ता से जुड़ा होता है। उदा० पेड़ से फल गिरा।

पूर्./म = 03

 प्राप्तांक

प्रश्न: (1.5)

उत्तर:

दो पदों को जोड़ने से जो नया शब्द बनता है उसे समाज कहते हैं।

उदा० यथा + शक्ति = यथाशक्ति

प्रकार: अव्ययसमाज, बहुव्रीहि, सिद्ध, संद, तत्पुरुष, कर्मधारय

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 20 अति लघु उत्तरीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

प्रश्न: (1.6)

उत्तर: किसी मूल शब्द के पहले जुड़ कर जो अक्षर या शब्द, मूल शब्द को विशेष अर्थ या विपरीत अर्थ प्रदान करते हैं; उपसर्ग कहलाते हैं।
उदा० अ + समर्थ = असमर्थ, सु + स्वगत = सुस्वगत

प्रश्न: (1.7)

उत्तर:

माधार	अधि	समास
1. परिभाषा	दो अक्षरों का योग	दो पदों का योग
2. विकार	विकार उत्पन्न होता है	विकार उत्पन्न नहीं होता
3. उदाहरण	देव + इंद्र = देवेन्द्र	यथा + शक्ति = यथाशक्ति

प्रश्न: (1.8)

उत्तर: 1. कूट वाक्य, उक्ति आदि को सरल अर्थ प्रदान करता है
2. उदाहरणों का उपयोग
3. मौलिकता, व्यापकता एवं स्पष्टता

प्रश्न: (1.9)

उत्तर: किसी पत्र-प्रतिपत्र के प्रेषण के पूर्व जो निश्चित कच्चा मसौदा तैयार किया जाता तारुप लेखन कहलाता है।
महत्व: एक रूपता प्रदान करना
विशेषता: निश्चित संरचना; उदा०. माद्रेबा, परिपत्र आदि

प्रश्न: (1.10)

उत्तर: वे स्वर, जो अनुनासिक उच्चारण प्रदान करें अनुस्वर कहलाते हैं।
उदाहरण: अं, अँ

पू./म = 03



पू./म = 03



पू./म = 03



पू./म = 03



पू./म = 03



प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 20 अतिमूल्य प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

प्रश्न: (1.11)

उत्तर: वे ध्वनि मात्र जो गले/कंठ से उद्घोषित होती हैं।
कंठ्य ध्वनियों कहलाती हैं।
उदा० क, ख, ग, घ आदि।

प्रश्न: (1.12)

उत्तर: जब एक सूचना उच्च कार्यालय से, अन्य विभागों
झथवा कार्यालयों को एक साथ भेजनी हो।
सद्वत्: सूचना में एक रूपता, त्रुटिहीन प्रेषण
विशेषता:- अन्यपुरुष बोली, उच्च पद से निम्न की ओर

प्रश्न: (1.13)

उत्तर: 11 वाँ हिन्दी सम्मेलन
स्थान:- पोर्ट ब्लेयर, मॉरीशस
अध्यक्ष:- मॉरीशस के राष्ट्रपति जन्नाथ जी
दिनांक:-

प्रश्न: (1.14)

उत्तर: कौशवी बोली 'पश्चिमी हिन्दी' उपवर्ग में आती है।
कौशवी → पश्चिमी हिन्दी → कौशवी (खड़ी बोली)
क्षेत्र:- दिल्ली, कुरुक्षेत्र, मेरठ आदि

प्रश्न: (1.15)

उत्तर: वीरगाथा काल, हिन्दी के पहले काल (1000-1300 ई.)
का सर्वाधिक उपयुक्त नाम है।
कृतियां: पृथ्वीराज रासो, पदावली आदि
अन्य नाम:- झाड़िकाव, रसकाल, रासो काल आदि।

प्रश्न: 1. इस प्रश्न में 20 अतिलघुत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 20 शब्दों में देना है। प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंकों का है।

3x20=60

प्रश्न: (1.16)

उत्तर: जो ध्वनियाँ तालु से उच्चारित होती हैं, तालव्य ध्वनियाँ कहलाती हैं।

उदाहरण: ट, ठ, ड, ढ च, छ, ज, झ

P/M = 03



प्राप्तक

प्रश्न: (1.17)

उत्तर: यण संधि:- जब प्रथम शब्द अंतिम अक्षर ^{इ, ई, उ, ऊ, सु} 'स, र, मी, झ' के बाद अन्य स्वर आये तो क्रमशः ~~अ, इ, ए, ओ, औ~~ अ, इ, ए, ओ, औ य, व, ब्या र क्क उनका स्थान लेते हैं।
उदा० सु + आगत = स्वागत, इति + आदि = इत्यादि

P/M = 03



प्राप्तक

प्रश्न: (1.18)

उत्तर: जो शब्द मूल शब्द के आगे उपभोग हो, मूल शब्द को विपरीत या विखिलित अर्थ प्रदान करे अपसर्ग कहलाते हैं।

उदा० कु + रूप = कुरूप, सु + सुंदर = सुसुंदर

P/M = 03



प्राप्तक

प्रश्न: (1.19)

उत्तर: 'संस्कृत संरचना' : राहुल शास्त्रप्रामाण के अनुसार हिन्दी के पहले कवि हैं।

यद्यपि चंद्रबरदार को भी कई विद्वानों द्वारा प्रथम कवि माना गया है।

P/M = 03



प्राप्तक

प्रश्न: (1.20)

उत्तर: कर्मधारय :- दो पदों से पूर्व पद प्रधान व उत्तर पद गौण; उत्तर पद पूर्व की विशेषता बताता है।
उदा०. नीलकमल, श्वेताम्बर आदि

बहुव्रीहि :- दोनों पद गौण, अन्य पद प्रधान उदा० नीलकण्ठ

P/M = 03



प्राप्तक

प्रश्न: 2. निम्नलिखित वाक्य का हिन्दी से अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए :
समय पर कार्य करना, कहीं भी समय पर जाना इस समय की पावती कहा जाता है।

प्रश्न: (2.1)

As laid down in the Constitution & nothing else.
संघ का मद्द - - - - - शुनिकृत करे।

उत्तर:

This shall be the duty of union to increase the spread of Hindi language and to develop it.

प्रश्न: (2.2)

उत्तर:

So that it can become the medium of expression of culture of Indian society.

प्रश्न: (2.3)

उत्तर:

And without in altering its nature, include words, from Hindustani and languages which are mention in the Eighth schedule,

प्रश्न: (2.4)

उत्तर:

And where ever needed, shall accept and adopt the words from mainly 'Sanskrit' and subsequently from other languages,

प्रश्न: (2.5)

उत्तर:

ensue its richness.

Villages have their own recreations but they are natural not artificial.

प्रश्न: (3.1)

As laid - - - - - and notings.

उत्तर:

हिन्दी को राजभाषा के रूप में प्रस्तुत करने का, जैसा कि संविधान में उल्लेखित है, आयोगार मकर 26 जनवरी 1956 आया है।

M = 03

प्रश्न: (3.2)

उत्तर:

वस्तुनिष्ठतः यह भारतीय भाषाओं के हि इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण है।

प्रश्न: (3.3)

उत्तर:

जो कि आगामी आवेप्य में राज्यों द्वारा हिन्दी का उपयोग सुनिश्चित करेगा।

प्रश्न: (3.4)

उत्तर:

तो यह अब आवश्यक है कि एक सर्वमौलिक मानक शब्दावली बनायी जाये। जो कामलिनी कार्यों में हिन्दी व अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के लिए उपयोग में आयेगी।

प्रश्न: (3.5)

उत्तर:

इसका स्पष्ट उत्तर देकर प्रश्न में अनुरोधित करें।

प्रश्न: 4 (अ)

युवाशक्ति का आर्थिक क्षेत्र में मुख्य योगदान रहा है। आर्थिक क्षेत्र में मुख्य आधार है। किसी भी राष्ट्र की आर्थिक व्यवस्था सुदृढ़ अथवा कमजोर होने का श्रेय युवाशक्ति को भारत एक विशाल देश है जहाँ 80% जनता गाँवों में निवास करती है। आर्थिक क्षेत्र पिछड़ा हुआ दृष्टिगोचर होता है। राष्ट्र को अन्न देने वाला किसान अक्सर तथा देश की पेंजी कृषि ही लोगों के हाथों में जाकर समा जाती है। पेंजी पति की पेंजी तथा गरीब और गरीब होता जा रहा है। इस बिगड़ी हुई स्थिति एवं व्यवस्था को निवारण युवाशक्ति ही चेतना ला सकती है।

अथवा

(ब) मानव जीवन में अभ्यास का बहुत महत्व होता है। निरंतर अभ्यास से व्यक्ति को निपुणता तथा कौशल प्राप्त कर सकता है। अभ्यास के बल पर वह कठिन से कठिन को भी सरल बना सकता है। कालिदास, अर्जुन, एकलव्य इसके उदाहरण हैं। अभ्यास के बल पर निपुणता मिलती है। अनेक प्रकार की ललित कलाओं में भी अभ्यास महत्व असंदिग्ध है। संगीत, नृत्य जैसी कलाएँ तो अभ्यास के बिना आ ही नहीं सकतीं। प्रसिद्ध खिलाड़ी ध्यानचंद के जीत का एकमात्र कारण उनका सतत अभ्यास ही था।

उत्तर:

ब

संक्षेपण

स्वतंत्रता एक सीमा में ही असल स्वतंत्रता है। किसी एक व्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं कि वह अन्य की स्वतंत्रता का अतिक्रमण करे। जैसे काला धन भण्डित करना, लाउडस्पीकर से पड़ोसियों का बाधा पहुँचाना आदि। स्वतंत्रता के साथ दायित्व का भी संबंध है।

भाव पल्लवण

“स्वतंत्रता - - - - - बढ़ल जाती है।”

मूल तत्व:- स्वतंत्रता निरपेक्ष नहीं है।

स्वतंत्रता का उपयोग एक निश्चित सीमा में करना चाहिए। जो किसी अन्य की स्वतंत्रता को बाधित न करे। उदाहरण:

यदि एक व्यक्ति कहे कि मुझे धन कमाने की आजादी है और बिना कर दिये धनसंचय करे तो यह शोषित वर्ग की स्वतंत्रता का अक्षीकरण है।

इसी प्रकार एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को गाड़ी चलाने की स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती क्योंकि वह राहगीरों के लिए उचित व उसके स्वयं के लिए उचित नहीं होगा।

स्वतंत्रता का न्यायोचित होना अनिवार्य है।
जैसा कि अरस्तु ने अपनी पुस्तक निकोमखियन इथिक्स में कहा था " न्याय से ही स्वतंत्रता आती है। "

प्रश्न: 5. निर्देशा
विकल्प का उत्तर

प्रश्न: 5 (अ)

(ब)

उत्तर:

प्रश्न: 5 (अ) स्वयं को जिलाधिकारी, इंदौर मानते हुए एक कार्यालय आदेश निर्गत करें, जिसमें लिपिकों को कार्यालयी-पत्रावली घर ले जाने की अनुमति न हो।

अथवा
(ब) किसी सामाजिक कार्यकर्ता के पत्र के उत्तर में आदिवासी कल्याण विभाग द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में विशेष कार्य को निर्वहन देते हुए अर्ध-शासकीय पत्र का पालन प्रस्तुत

उत्तर:

कार्यालय जिलाधीशा, रतलाम
म०प्र०.

क्रमांक :- 051/मा०के०/2020

रतलाम, दिनांक 03/06/2020

- : आदेश :-

आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए दिनांक 04/06/2020 से बाजार रात्रि तक खोलने सकेंगे। कोरोना दिशानिर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा।

हस्ताक्षर

जिलाधीशा, रतलाम

म०प्र०

पृष्ठोक्त क्र. 052/मा०के०/2020

रतलाम, दिनांक 03/06/2020

प्रतिविधि:

1. सचिव, मंत्रालय मुख्यमंत्री, भोपाल

हि निरंतर-----

प्रश्न: 5. निर्देशानुसार शासकीय पत्र लेखन किया जाए, अधिकतम शब्द सीमा 100 है। प्रश्न में आ
अभ्यर्थी जिस विकल्प का उत्तर लिख रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के प्रारंभ में अनिवार्यतः क
प्रश्न: 5 Continued (जारी)

- 112 -

2. सचिव, राज्य शासन, कलकत्ता अवन भोपाल
3. लेखाधिकारी, उवाबियर
4. आयुक्त, इंदौर
5. समस्त कलेक्टर, रतलाम, उज्जैन, मंडसौर
6. उपप्राबन्धक जिला वेवसाइट
7. समस्त शासकीय कार्यालय
8. दैनिक भास्कर व अन्य समाचार पत्र

की ओर सूचानार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

एस्ताद्वर
जिलाधीश,
रतलाम, मंडसौर

6. व्याकरण : निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच हिन्दी/अंग्रेजी शब्दों के अंग्रेजी/हिन्दी में परिभाषा प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का है।

प्रश्नोत्तर पुस्तिका बारकोड/QR

3x5=15

प्राप्तक

S.no	प्रश्न	उत्तर
1	सेखाकर इतवाक्य :	Ambassy.
2	परिषद् मताधिकार :	Surfrage .
3	प्रतिनियुक्ति राज-पत्र	Gazette
4	अनुभाषा न्यायिक अधिकार :	legal sight.
5	अनुलापन अनुमोदन :	
6	Accelerate Quarterly :	त्रिमासिक
7	Ceiling	
8	Bond	
9	Adjournment	
10	Oscillation	

प्रश्न: 7. द्वाकारण : निम्नलिखित मुहावरों / कहावतों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका
कीर्ति। प्रत्येक प्रश्न 03 अंकों का है।

पानिका

प्रश्न (7.1) अँपूडा दिखाना - अपना उल्लू सीधा करना

उत्तर : अर्थ :- अपना कार्य सिर्फ सिद्ध करना
वाक्य :- चुनाव के समय नेता अपना उल्लू
सीधा करने, जनता से झूठे वादे करते हैं।

प्रश्न (7.2) अपना उल्लू सीधा करना

उत्तर :

प्रश्न (7.3) ईदक जनाव पत्यर जेना

ह तोते उड़ जाना

उत्तर : अर्थ :- झत्यधिक धक्का जाना
वाक्य :- चिड़ियाघर में खोर को अपने सामने
देख वटये के तोते उड़ गये।

प्रश्न (7.4) कमर कसाना

उत्तर :

प्रश्न (7.5) दास न मानना - गंगा गर गंगादास, जमुना गर जमुनादास

उत्तर : अर्थ :- कार्य का कोई परिणाम न निकलना
वाक्य :- वाद पीड़ितों को जन सभा में सभी नेता
ने सहायता की बात कही पर कुछ दिया
नहीं, एक बुर्जुग ने कहा "गंगा गर गंगादास, जमुना गर जमुनादास"

उत्तर : ~~उँट के मुँह में जीस~~ अँधों में काना राजा

उत्तर : अर्थ :- अयोग्य व्यक्तियों में तनिक योग्य व्यक्ति ।
वाक्य :- पाकिस्तान में राष्ट्रपति बनना असंभव
है क्योंकि वहाँ तो अँधों में काना राजा
होता है ।

प्रश्न (7.7) ~~जल में रहने वाला~~ हाथ आगे बढ़ाना

उत्तर : अर्थ :- मदद करना
वाक्य :- कोरोना के समय में भारत कई
राष्ट्रों के सहायता हेतु हाथ आगे
बढ़ाया, जिसकी चहुँ ओर प्रशंसा हुई ।

प्रश्न (7.8) इबते को तिनके का तारा

उत्तर : _____

प्रश्न (7.9) थोथा चना वाले घना

उत्तर : _____

प्रश्न (7.10) मुँह में राम काल में

उत्तर : _____

S.no	प्रश्न	उत्तर
1	'वधू-आगमन' की राशि लिखिए।	
2	अमृत शश में कौनसा ii) विनायक	विरक्ति शब्धि विः + नायक
3	'शुक' के तीन पर्यायवाची शब्द लिखिए। धर-संसार	द्वंद समास
4	जैठ शब्द का सारम रूप लिखिए। iv) प्रति + उपकार	प्रत्योपकार
5	अपूर्ण किराण 'गिर' को अर्थ प्रकृत शब्दों में उदाहरणों द्वारा समझाएँ। शुष्क	अर्द्ध आर्द्ध
6	'समन' का राशि लिखिए। शुक	
7	पद का समानार्थी शब्द लिखिए। कर्ण व कर्ण	कर्ण अर्थात् कान करण अर्थात् कारक का प्रकार
8	उर्वरा का श्लोक शब्द लिखिए।	
9	पर्यक शब्द का सारम रूप लिखिए।	

प्रश्न : 9. निम्नलिखित में से किसी एक या दो के आधार पर दो-दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
प्रश्न लिख रहे हैं उसका उत्तर लिखते समय प्रश्न में प्रारंभ में करें।

उत्तर : (i) — "पुस्तकालय और सभ्यता"

उत्तर : (ii) — पुस्तकालय सभ्यता के विकास का तन्त्र
प्रमाण है।

उत्तर : (iii) — मुद्रगुला के आविष्कार से पहले पुस्तकों
संग्रह अत्यंत कठिन इसलिए था क्योंकि
पुस्तकों के निर्माण में ही अत्यधिक श्रम
लग जाती थी। वस्तुतः यह खर्चीली व्यवस्था थी।

उत्तर : (iv) — पुस्तकालयों के कारण उई देस जैसे चीन,
फारस भादि के विद्यालुगि भारत पहले
झामा करते थे। भारत का पुस्तक संग्रह
विश्वविख्यात था।

उत्तर : (v) — भारत में पुस्तकों का संग्रह 'लिपि के
आविष्कार से ही होता रहा है।

स्वयं को कुलसचिव, विद्यापीठ, दिल्ली का भाग्य। ए. सन 2017
 लिए आने से जो जा रहा है। सीधियों के लिए 'अभियान' प्रकाशित
 कीजिए।

ब दल में कुछ किसी विश्वस्तरीय सम्मेलन पर प्रतिवेदन लिखिए

प्रतिवेदन

12 वां विश्व सम्मेलन 22 सितम्बर 2020 से
 28 सितम्बर 2020 तक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा
 आयोजित किया गया। सम्मेलन इस वर्ष
 उत्प्रेत में प्रस्तावित था परन्तु कोरोना के
 दुष्प्रभाव के कारण इसे, त्य दिनांक पर
 आयोजित नहीं कराया जा सका। पाँचों
 राष्ट्रों की, संगठन के प्रति प्रतिबद्धता के
 चलते, सम्मेलन संचार माध्यम से
 आयोजित कराया गया। जो अभूतपूर्व अनुभव
 रहा।

सम्मेलन की अध्यक्ष रूस के राष्ट्रपति
 श्री वालाडिमिर पुतिन ने की। भारत का
 प्रतिनिधित्व माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी
 ने किया। दक्षिण अफ्रीका, चीन, श्री ब्राजील के भी
 श्री अरविन्द प्रमुख अध्यक्ष सम्मेलन के उद्घाटन
 कार्यक्रम में शामिल कर रहे।

भारत-चीन सीमा पर हुए सैन्य विवाद के बाद यह प्रथम अवसर था जब दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष एक मंच पर थे। श्री नरेन्द्र मोदी ने चीन पर बिना नाम लेते हुए उसकी विस्तारवादी नीति की खरी-खरी आलोचना करी तथा भारत की तटस्थता व संप्रभुता को बताया।

यह सम्मेलन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आयोजित हुआ था वजह से इसका सीधा प्रसारण हो पाया। इसे 22 देशों में 20 लाख लोगों ने देखा।

सम्मेलन के प्रमुख बिन्दु:

1. कोरोना के कारण हुई अर्थव्यवस्था की छान की पुनः सुचारु करने हेतु सम्भवय बताया।
2. देशों का उपलब्धता सुनिश्चित करना।
3. आतंकवाद पर एक नीति बनाने पर मिलकर काम करना।

सम्मेलन का प्रमुख केंद्र कोरोना महामारी रहा। अन्य विषयों पर सीमित बातें ही हो सकीं। इसका सम्मेलन प्राचीन में प्रस्तावित है।